महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ऐ. प्रीवियस (Previous) 2015–16

नोट– यह सलेबस प्राइवेट और रेगुलर दोनों विद्यार्थी के लिए।

पेपर पहला – पंजाबी साहित दा इतिहास

कुल अंक 100

यूनिट:1 पंजाबी साहित दी काल वंड, पूर्व नानक काल दीयां साहितक धारावां–नाथ जोगी साहित, सूफी साहित, बीर रसी साहित ते लोक साहित।

यूनिट:2और 3: 1500ई. तो 1850 ई. तक दे पंजाबी साहित दीयां प्रसिद्ध साहितक धारावां–गुरमति कावि, सूफी कावि धारा, किस्सा कावि–धारा, बीर रसी कावि धारा, वारतक साहित दी परम्परा अते गुरु ग्रंथ साहिब दी इतिहासिक, सामाजिक और साहितक विशेषता

यूनिट:4 और 5: सक्रांती काल विच उपजीयां सामाजिक, सुधारक लहिरां, इसाई मिशनरीयां दी पंजाबी साहित नूं देन, पंजाबी साहित दी इतिहासकारी। आधुनिक पंजाबी साहित्य रूप : आधुनिक पंजाबी कविता दा विकास अते प्रमुख प्रवृत्तियां, पंजाबी गलप (नावल अते कहानी) दा इतिहास, पंजाबी नाटक अते इकांगी दा इतिहास, आधुनिक पंजाबी वारतक दा अधियन, पंजाबी आलोचना दा इतिहास।

सहायक पुस्तकां:–

1. पंजाबी साहित दा इतिहास (भाग 1,2,3) – पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़
2. पंजाबी साहित दा इतिहास – गि. हीरा सिंह दरद
3. पंजाबी साहित दी उत्पती ते विकास – किरपाल सिंह कसेल
4. पंजाबी साहित दा आलोचनात्मक इतिहास – जीत सिंह शीतल

पेपर सैटर लई हिदायता:

इस परचे दे तीन भाग होनगे। पहले भाग विच दो प्रश्न पूछे जानगे जिस विचों विद्यार्थियों ने एक प्रश्न करना होवेगा। भाग दो अते भाग तीन विचों चार चार प्रश्न पुछे जानगे जिस विचों विद्यार्थियों ने दो–दो प्रश्न करने होनगे। हरेक प्रश्न 20 अंक दा होवेगा।

पेपर दूजा – मधकाली पंजाबी कविता

कुल अंक 100

यूनिट :1 गुरमति, सूफी ते किस्सा कावि दा कावि शास्त्र।

यूनिट : 2 जपुजी साबिह सटीक – प्रो: साहिब सिंह

यूनिट : 3 शेख फरीद : शब्द ते सलोक

यूनिट : 4 बुल्ले शाह : काफीयां

यूनिट : 5 दमोदर, किस्सा, हीर रांझा।

सहायक पुस्तकां:

1. पंजाबी सूफी कावि प्रवचन – डॉ. जगजीत सिंह
2. फरीद र्दशन – दीवान सिंह
3. शेख फरीद अंक – खोज पत्रिका
4. अधियैन ते अधियापन – डा. हरिभजन सिंह
5. गुरबाणी : धर्म ते साहित – डा. बलजीत कौर
6. गुरमति कावि ते प्रसंग – मनजीत कौर
7. दमोदर, किस्सा, हीर रांझा – डा. जगतार

पेपर सैटर लई हिदायता:

इस परचे दे पंज भाग होनगे, हरेक भाग विचों दो–दो प्रश्न पूछे जानगे। विद्यार्थियों ने हरेक भाग विचों एक एक प्रश्न करना होवेगा। हरेक प्रश्न 20 अंक दा होवेगा।

पेपर तीसरा – साहित सिधांत ते पंजाबी आलोचना

कुल अंक 100

यूनिट:1 साहित दी प्रकृति ते प्रयोजन, साहित दे वाद (रहसवाद, रोमांसवाद प्रगतिवाद)।

यूनिट:2 यूनानी – रोमन आलोचना, (अरस्तु ते लौजाईन्स)
अनुकरन, विरेचन, त्रास्दी ते उदात दे विशेष हवाले नाल।

यूनिट:3 भारती आलोचना (रस, धुनी, अलंकार)
कावि दी आत्मा, साधारनीकरण, शब्द–शक्तियाँ।

यूनिट:4 पंजाबी आलोचनाः–

प्रमुख आलोचक–

मोहन सिंह दीवाना, संतसिंह सेखों, नजम हुसैन सईयद, अतर सिंह, हरिभजन सिंह

यूनिट:5 रूसी रूपवाद अते अमरीकी नव–आलोचनाः
रूप दा संकल्प, कावि भाषा, अजनबीकरण।
मार्क्सवादी आलोचना : वस्तु–रूप दा संकल्प, समाजवादी
यथार्थवाद, साहित ते विचारधारा दे हवाले नाल।

सहायक पुस्तकें:

1. समीखिया शास्त्र – डा. रणधीर सिंह
2. भारती कावि शास्त्र – प्रेम प्रकाश सिंह
3. पंजाबी आलोचनाः सिधांत ते विहार – हरिभजन सिंह भाटीया
4. साहित दे रूप – डा. रतन सिंह जग्गी
5. साहितकवाद अंक (दो भाग) – खोज प्रत्रिका
6. पाठ उत्तर पाठ – डा. जगजीत सिंह
7. अमरीका दी नवीन आलोचना प्रणाली – डा. रविन्द्र रवि
8. रूपकी – डा. हरिभजन सिंह

पेपर सैटर लई हिदायताः

इस परचे दे पंज भाग होनगे, हरेक भाग विचों दो–दो प्रश्न पूछे जानगे। विद्यार्थियों ने हरेक भाग विचों एक एक प्रश्न करना होवेगा। हरेक प्रश्न 20 अंक दा होवेगा।

पेपर चौथा – पंजाबी नावल ते कहानी दा अधियैन

कुल अंक 100

यूनिट:1 ऐहु हमारा जीवना – दलीप कौर टिवाणा

यूनिट:2 हाणी – जसवंत सिंह कवंल

यूनिट:3 मड़ी दा दीवा – गुरदीयांल सिंह

यूनिट:4 नवे लोक – कुलवंत सिंह विर्क

यूनिट:5 शाने पंजाब – रघवीर ढंड

सहायक पुस्तकें:–

1. पंजाबी नावल – ज.स. राही
2. कुलवंत सिंह विर्क जीवन ते रचना – टी.आर.विनोद
3. ऐहु हमारा जीवणा एक अधियैन – डा. सुखविंदर सिंह
4. गुरदीयांल सिंह दा नावल जगत – पुरदमन सिंह बेदी
5. गलप चिंतन – सुखविंदर रंधावा

6. कथा चिंतन – सुखविंदर रंधावा

पेपर सैटर लई हिदायतां:–

इस परचे दे पंच भाग होनगे, हरेक भाग विचो दो दो प्रश्न पूछे जानगे। विद्यार्थियों ने हरेक भाग विचो एक–एक प्रश्न करना होवेगा। हरेक प्रश्न दे 20 अंक होनगे।